भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 3910

सोमवार, 16 मार्च, 2026/25 फाल्गुन, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

प्रतापगढ़ में एसडीएस के अंतर्गत जनजातीय सर्किट

3910. श्री चन्द्र प्रकाश जोशी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) के जनजातीय परिपथ के अंतर्गत संस्वीकृत प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस परिपथ के अंतर्गत विशिष्ट स्थलों का ब्यौरा क्या है और प्रतापगढ़ और अन्य जिलों में किए जा रहे विकास कार्यों की प्रकृति क्या है; और

(ग) राजस्थान राज्य में जनजातीय परिपथ के अंतर्गत चल रहे कार्यों का स्थान-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): देश में विभिन्न पर्यटन स्थलों और पर्यटन उत्पादों का विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालाँकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से योजना दिशानिर्देशों, सरकारी निर्देशों के अनुरूप उनसे परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति पर तथा निधि की उपलब्धता, पारस्परिक प्राथमिकता आदि के अध्यधीन उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करके इन प्रयासों को संपूरित करता है। मंत्रालय ने 2014-15 में स्वदेश दर्शन नामक अपनी योजना शुरू की और जनजातीय परिपथ सहित विभिन्न विषयगत परिपथों के तहत 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी। इसके अलावा, स्थायी और उत्तरदायी पर्यटन स्थलों का विकास करने के उद्देश्य से इस योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0) के नाम से नया रूप दिया गया और इसमें देश में 2,208.31 करोड़ रुपये की 53 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। पर्यटन मंत्रालय ने अपनी तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) नामक योजना के तहत पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए भी देश में परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

राजस्थान राज्य में एसडी, एसडी2.0 और प्रशाद के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

*****

अनुबंध

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी द्वारा प्रतापगढ़ में एसडीएस के अंतर्गत जनजातीय सर्किट के संबंध में दिनांक 16.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 3910 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

राजस्थान राज्य में एसडी, एसडी 2.0 और प्रशाद योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

योजना	परिपथ/स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु में)	भौतिक स्थिति
स्वदेश दर्शन	मरुस्थल परिपथ 2015-16	सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास	50.01	पूर्ण
	कृष्ण परिपथ 2016-17	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटूश्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का विकास	75.80	पूर्ण
	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	आध्यात्मिक परिपथ - चुरू (सालासर बालाजी) -जयपुर (श्री समोदके बालाजी, घाटके बालाजी, बंधेके बालाजी) - विराटनगर (बीजक, जैनसिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कमान क्षेत्र) - धौलपुर (मुचकुंड) - मेहंदीपुर बालाजी - चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	87.05	पूर्ण
	विरासत परिपथ 2017-18	विरासत परिपथ राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ किले के अग्रभाग में प्रकाश व्यवस्था) - झालावाड़ (गागरोन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) - जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (गोगामेड़ी) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-निलोफर और पुरानी छावनी) - नागौर (मीरा	70.61	पूर्ण

		बाई स्मारक, मेड़ता) - टोंक (सुनहरी कोठी) का विकास		
एसडी 2.0	2024-25	श्री खाटू श्याम जी मंदिर (सीकर) में विकास कार्य	87.87	कार्यान्वयन के चरण में है
	2023-24	केशोरायपाटन, बूंदी में आध्यात्मिक अनुभव	21.65	कार्यान्वयन के चरण में है
	2025-26	श्री करणी माता मंदिर, बीकानेर में विकास कार्य	22.58	कार्यान्वयन के चरण में है
	2025-26	मालासेरी डूंगरी, भीलवाड़ा जिले का विकास	48.73	कार्यान्वयन के चरण में है
प्रशाद	2015-16	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	32.64	पूर्ण

*****